बैच संख्या 47

स्मारिका
2016

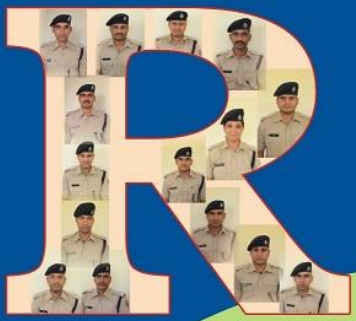

राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

इण्डोर संकाय

आउटडोर संकाय

स्मारिका

2016

आर. पी. एस. बैच सं. 47

संरक्षक

राजीव दासोत आई. पी. एस.
निदेशक, राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

परामर्श एवं मार्गदर्शन

राजेश कुमार शर्मा, आई. पी. एस.
उप निदेशक एवं प्राचार्य

संजीव नैन, आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (प्रशासन)

आलोक श्रीवास्तव, आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (आउटडोर)

अनुकृति उज्जैनिया, आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (सी डी पी एस एम)

लक्ष्मण सिंह मण्डा, आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (इन्डोर)

दिलीप सैनी, आर. पी. एस.
सहा. निदेशक (सी.ओ. ई.)

संकलन एवं सम्पादन
धीरज वर्मा, पुलिस निरीक्षक
सुरेन्द्र पंचोली, उप निरीक्षक
फोटोग्राफी : सागर, कॉनिस्टेबल
टंकण कार्य : कौशल्या कॉनिस्टेबल

प्रस्तुत संकलन प्रशिक्षणार्थियों की नितान्त मौलिक रचनाओं एवं मौलिक विचारों का प्रतिनिधित्व मात्र हैं, सम्पादक मण्डल एवं प्रकाशक का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

राजीव दासोत आई.पी.एस.

निदेशक, राजस्थान पुलिस अकादमी
जयपुर

निदेशक की कलम से...

आधारभूत प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई। प्रशिक्षण की सिखलाई निश्चित ही आपके पुलिस जीवन का एक महत्वपूर्ण भाग है तथा इस सिखलाई का प्रयोग अपने कार्य के दौरान करना आपके लिए काफी उपयोगी साबित होगा। प्रशिक्षण का किसी भी विभाग के कर्मियों के उत्तरोत्तर विकास में अन्यतम योगदान होता है तथा यह सिर्फ जीवन के प्रति दृष्टिकोण को ही नहीं बदलता अपितु व्यक्ति के समग्र विकास की आधारशिला भी रखता है।

बदलते परिवेश में अपराध के बदलते स्वरुप को दृष्टिगोचर रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करना एक बहुत बड़ी चुनौती है। इस चुनौती का सामना धैर्य, साहस, परिश्रम, लगन तथा कार्यदक्षता के साथ किया जा सकता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जनता की पुलिस से अपेक्षाएं भी बढी है। इन बढी हुई अपेक्षाओं में समन्वय स्थापित करते हुए अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करने के लिए एक पुलिस अधिकारी में व्यवहार कुशलता, पारदर्शिता, संवेदनशीलता आदि गुणों का होना अपरिहार्य है।

आप सभी राजस्थान पुलिस के लिए नेतृत्व प्रदान करने की महत्वपूर्ण कड़ी है। उच्चाधिकारियों तथा अधीनस्थों में समन्वय स्थापित कर अपेक्षित परिणाम देना आपका सबसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है। इस उत्तरदायित्व का निर्वहन करने के लिए आपको न केवल कुशल नेतृत्व प्रदान करना है अपितु कर्त्तव्य निर्वहन के लिए एक आदर्श उदाहरण भी प्रस्तुत करना है। यह सब अनुशासन, कठोर परिश्रम, कार्य में दक्षता तथा समर्पण भाव से कार्य करने से ही सम्भव हो पाएगा।

मुझे पूर्ण आशा है कि आपने प्रशिक्षण के दौरान व्यक्तित्व के इन गुणों को आत्मसात कर लिया होगा तथा अपने कर्त्तव्य निर्वहन के दौरान आप तद्नुसार कार्य करेंगे तथा अपने कार्यस्थल पर अपनी पूर्ण क्षमता से कार्य करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे तथा विभाग में महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित करेंगे।

आपका यह आधारभूत प्रशिक्षण आपके सम्पूर्ण सेवा काल के लिए उपयोगी हो इसके लिए अकादमी स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रयास किए गए हैं। आपके प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अकादमी की टीम द्वारा किए गए परिश्रमपूर्ण योगदान के लिए सभी प्रशंसा के पात्र है।

आप सभी को मेरी ओर से उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

(राजीव दासोत)
आई.पी.एस.

राजेश कुमार शर्मा आई.पी.एस.
उप निदेशक, राजस्थान पुलिस अकादमी
जयपुर

उप निदेशक की कलम से...

राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में आर.पी.एस. बैच संख्या 47 के सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को सफलतापूर्वक आधारभूत प्रशिक्षण पूर्ण करने पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रशिक्षण से व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ–साथ व्यवहार, कुशलता में भी वृद्धि होती है। अकादमी में सतत् रूप से यह प्रयास किये हैं कि वर्तमान में बदलते आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में आपको बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध करवाया जाये ताकि आप समाज में आमजन की समस्याओं को समझकर एक उत्साही पुलिस अधिकारी के तौर पर उनका कुशलतापूर्वक समाधान कर सकें। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप अर्जित किये ज्ञान एवं कौशल का अपने कार्य निष्पादन में सफलतापूर्वक प्रयोग करेंगे।

!!आप सभी को मेरी ओर से भावी जीवन हेतु शुभकामनाएं!!

(राजेश कुमार शर्मा)
आई.पी.एस.

संजीव नैन
सहायक निदेशक (प्रशासन)
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

आप सभी को प्रशिक्षण समाप्ति पर हार्दिक बधाई एवं भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं।

प्रशिक्षण अवधि एक पुलिसकर्मी के जीवन में अति महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है। प्रारम्भिक प्रशिक्षण ही एक पुलिसकर्मी के जीवन को नींव प्रदान करता है। प्रशिक्षण के दौरान वर्तमान चुनौतियों के अनुसार आप सभी को तैयार करने का प्रयास किया गया है।

प्रशिक्षण को आपने जीवटता से पूर्ण किया है जिसके लिए आप बधाई के पात्र हैं। पुलिसकर्मी का जीवन सदा चुनौतीपूर्ण होता है। प्रशिक्षण इन चुनौतियो का मुकाबला करने के लिए सुदृढ़ आधार प्रदान करता है। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को शारीरिक तथा मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाने के साथ–साथ नैतिक मूल्यों को अपना कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित किया जाता है।

मैं आपसे उम्मीद करता हूँ कि पद पर रहते हुए आप सभी से वह व्यवहार करेंगे जो आप दूसरों से अपने प्रति उम्मीद रखते हैं। जीवन में विभिन्न कानूनों–नियमों की पालना करते हुए अच्छा इन्सान बनने का सतत् प्रयास अवश्य करें। अपने व्यस्त सेवाकाल में परिवार एवं परिजनों के साथ समय अवश्य व्यतीत करें। आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

जय हिन्द!!

(संजीव नैन)
आर.पी.एस.

आलोक श्रीवास्तव
सहायक निदेशक (आउटडोर)
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

आधारभूत प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक बधाई। पुलिस विभाग के लिए प्रशिक्षण बहुत महत्वपूर्ण है, प्रशिक्षण से अनुशासन, व्यवहार, कुशलता एवं संवेदनशीलता आदि गुणों का विकास होता है जिससे शारीरिक व मानसिक विकास में वृद्धि होती है। पुलिस सेवा राष्ट्र सेवा हेतु उचित माध्यम है, आपके पास एक अवसर होगा इतिहास रचने का, सही मायनों में जनता का सेवक बनकर गरीब, असहाय, निराश्रित की सहायता कर जनता का मददगार बनकर, सही अनुसन्धान कर तथा आमजन में विश्वास व अपराधियों में डर पैदा करने का।

अकादमी जितना कठोर परिश्रम अब शायद आपको नहीं करना पड़े परन्तु यह कठोर परिश्रम आपको आगे आने वाली परीक्षाओं में खरा उतरने में मदद करेगा, चाहे वो शारीरिक श्रम हो या कानून की पेचीदगियों में उलझे सवालों को हल करने की बात हो।

किसी भी कार्य को करने से पूर्व एक बार स्वयं को सामने वाले के स्थान पर रखकर सोचें–क्या आप उसी प्रकार का कार्य व व्यवहार कर रहे हैं जिसकी आप सामने वाले से अपेक्षा रखते हैं? अन्त में मैं यह अपेक्षा करता हूँ कि आप अकादमी में दी गई अच्छी सीखों को आत्मसात करेंगे। प्रशिक्षण में सीखी गई बारीकियाँ निश्चित ही आपके लिए लाभप्रद एवं मार्गदर्शक साबित होंगी। मैं सभी प्रशिक्षु अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुये चाहता हूँ कि सभी पुलिस की नवीन विधाओं से जुड़ कर अपने ज्ञान में वृद्धि करते रहें एवं सफलता प्राप्त करें। आपको व आपके परिवार को हार्दिक बधाइयाँ व शुभकामनाएं।

जय हिन्द!!

(आलोक श्रीवास्तव)
आर. पी. एस.

अनुकृति उज्जैनिया
सहायक निदेशक (डी डी पी एस एण्ड)
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रारम्भिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न करने पर हार्दिक बधाई।

व्यक्ति का जीवन सदैव चुनौतीपूर्ण रहता है। पुलिस विभाग में ये चुनौतियां और बढ़ जाती है। इन चुनौतियों का मुकाबला कर उन पर विजय प्राप्त करना जीवन की सार्थकता को परिलक्षित करता है।

आपने पुलिस सेवा का चयन कर समाज सेवा का दुर्लभ अवसर प्राप्त किया है। समाज में हो रहे अपराधों की रोकथाम करने, अपराधियों का पता लगाकर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के अतिरिक्त समाज के कमजोर वर्गों, महिलाओं, बालकों तथा वृद्धजनों को विधिपूर्ण सहायता तथा मार्गदर्शन कर हम समाज सेवा का कार्य कर सकते हैं।

पुलिस सेवा में अनुशासन, व्यवहार कुशलता, संवदेनशीलता तथा पारदर्शिता महत्वपूर्ण है। एक सफल पुलिस अधिकारी में इन सभी गुणों का होना अति आवश्यक है, प्रशिक्षण के दौरान विधिक ज्ञान, पुलिस कार्यप्रणाली की जानकारी के साथ–साथ शारीरिक दक्षताओं को निखारने व आत्मविश्वास को सुदृढ़ करने का प्रशिक्षण दिया जाकर इन्हे और अधिक विकसित करने तथा प्रभावी बनाने का प्रयास किया जाता है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी पूरे आत्मविश्वास के साथ आने वाली चुनौतियों का सामना करते हुए अपने सेवा उद्देश्य की प्राप्ति करेंगे तथा सफलता के नये आयाम स्थापित करेंगे।

आप सभी को मेरी ओर से भावी जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिन्द!!

(अनुकृति उज्जैनिया)
आर. पी. एस.

लक्ष्मण सिंह मण्डा
सहायक निदेशक (इन्डोर)
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

सभी प्रशिक्षुओं को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई।

यह प्रशिक्षण आपके भावी पुलिस जीवन के लिये 'नींव का पत्थर' साबित होगा। अकादमी में प्रशिक्षण के दौरान ज्ञान, कौशल एवं आचरण में व्यावसायिक दक्षता में अभिवृद्धि करने के उद्देश्य से वांछित सुधार का प्रयास किया गया है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पुलिस लोक कल्याणकारी एवं प्रजातांत्रिक राज्य का जन चेहरा है, जो आमजन की सुरक्षा एवं नागरिक अधिकारों के संरक्षण हेतु उत्तरदायी है।

"आम जन में विश्वास तथा अपराधियों में डर" का ध्येय वाक्य आपका जीवन संकल्प बनकर जनमित्र पुलिस की अवधारणा को सार्थक बनाने में आपकी मदद करे। कठोर अनुशासन एवं कर्त्तव्यपालन में पूर्णनिष्ठा का भाव आपके आचरण के वे बुनियादी सिद्धान्त हैं, जिनके सहारे आप पुलिस सेवा में सफलता के शिखर पर पहुँच सकते हैं। एक पुलिस अधिकारी के जीवन में स्वयं तथा स्वयं के परिवार से पहले उसका कर्त्तव्य होता है। जीवन में जब भी आपका लक्ष्य से भटकाव की स्थिति से सामना हो तो उन संकल्पों को याद कर कर्त्तव्य पथ पर आगे बढ़ना, जो आपने सेवा में प्रवेश करते समय अपने मन मन्दिर में संजोये थे।

मैं आपके उज्ज्वल भविष्य एवं भावी जीवन में सफलता की कामना करता हूँ तथा आशा करता हूँ कि आप सदैव सकारात्मक भाव से पीड़ित को न्याय दिलाने में सहायता करेंगे।

जय हिन्द!!

(लक्ष्मण सिंह मण्डा)
आर. पी. एस.

दिलीप सैनी
सहायक निदेशक
विशिष्ठ कोर्स एवं सी. ओ. ई.
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

आर.पी.एस. संवर्ग पुलिस बेड़े की धुरी है। इस सवंर्ग के अधिकारी न केवल पुलिस का मूलकार्य व प्रारंभिक स्तर पर पर्यवेक्षण का कार्य करते हैं, बल्कि समस्त कार्यों की विवेचनापूर्ण समीक्षा कर मार्गदर्शन देते हैं। ये अधिकारी अपने सकारात्मक सहयोग से न केवल पुलिस का मनोबल बल्कि पुलिस की प्रभाविकता को भी प्रभावित करते हैं।

आर. पी. ए. मे आने के बाद सभी का आम आदमी से सक्षम पुलिस अधिकारी बनने का सफर निश्चित रूप से आप सभी को पूरे कैरियर के दौरान याद रहेगा। स्मारिका में ट्रेनिंग के दौरान की यादों को खूबसूरत ढंग से संजोया गया है। यहाँ की खट्टी मीठी यादें हमेशा दिल मे रहेंगी।

मेरी ओर से आप सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर बधाई और आप सभी के स्वर्णिम भविष्य की शुभकामनाएं।

चन्दाराम विश्नोई
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक
सहायक कोर्स प्रभारी (आउटडोर)
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

सर्वप्रथम आप सभी को सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर बधाई। पुलिस विभाग के लिए प्रशिक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। आर. पी. ए. में दिये गये प्रशिक्षण के बाद मुझे आशा है कि जीवन में सफलता के लिए आप स्वयं में समाहित उच्च स्तरीय ज्ञान, व्यवहार कुशलता, उच्च नैतिक स्तर, सकारात्मक दृष्टिकोण एवं दूरदर्शिता के साथ अपना कार्य सम्पादित करेंगे एवं समाज के सम्मुख आदर्श पुलिस के सपने को साकार करेंगे।

उत्तरोत्तर पुलिस सेवा में आप सभी से अपेक्षा रहेगी कि आप अपने ज्ञान व कौशल में वृद्धि करते हुए पुलिस बल को नई ऊँचाईयों तक ले जाएंगे। अकादमी में प्रशिक्षण के साथ–साथ आप सभी ने अकादमी को स्वच्छ, हरित एवं तम्बाकू रहित बनाने में योगदान दिया है, इस हेतु आपको सहृदय धन्यवाद।

मैं आप सभी के स्वस्थ जीवन एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

धीरज वर्मा
पुलिस निरीक्षक
सहायक कोर्स प्रभारी (इण्डोर)
राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

प्रशिक्षण पुलिस सेवा की नींव है तथा इसी नींव को मजबूत करने के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु राजस्थान पुलिस अकादमी की एक समग्र टीम ने आर.पी.एस. बैच सं. 47 के प्रशिक्षु अधिकारियों को पूर्ण मनोयोग से प्रशिक्षण दिया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु इण्डोर गतिविधियों के संचालन के लिए सभी उच्चाधिकारियों के मार्गदर्शन एवं सहायक निदेशक इण्डोर के निकटतम पर्यवेक्षण में मुझे अवसर दिया गया।

पुलिस मुख्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुरुप प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए राजस्थान पुलिस अकादमी के अधिकारियों के अतिरिक्त, विषय विशेष के अतिथि वक्ताओं की सहायता ली गई। सभी ने अपने व्यापक अनुभव तथा विषय के ज्ञान के अनुरुप प्रशिक्षणार्थियों को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण देने का प्रयास किया। सभी विषयों में सैद्धान्तिक पक्ष के अतिरिक्त प्रशिक्षणार्थियों को उनके व्यावहारिक उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई।

सम्पूर्ण प्रशिक्षण के दौरान राजस्थान पुलिस अकादमी के समस्त स्टॉफ का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ जिसके लिए मैं व्यक्तिगत तौर पर सभी का आभारी हूँ। बैच द्वारा सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर सभी प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं तथा अकादमी की उर्जावान टीम को हार्दिक बधाई।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	निशान्त भारद्वाज
पिता का नाम	श्री ओमप्रकाश भारद्वाज
माता का नाम	स्व. श्रीमती गीता देवी भारद्वाज
पत्नि का नाम	श्रीमती अदिती पुरोहित
जन्म तिथि	15.12.1988
शैक्षणिक योग्यता	**B.Sc., M.B.A.**
पूर्व अनुभव	–
अभिरुचि	म्यूजिकल की बोर्ड प्लेईग
पता	ए–115, अशोक विहार, अलवर, जिला–अलवर
मोबाइल नं.	9143909296
ई–मेल आई. डी.	**nishantbhardwaj15@gmail.com**

सेवा उद्देश्य :– पुलिस सेवा में आदर्श स्थापित करना।

नाम	भूपेन्द्र शर्मा
पिता का नाम	श्री रमेश कुमार शर्मा
माता का नाम	श्रीमती अन्नपूर्णा शर्मा
पत्नि का नाम	अविवाहित
जन्म तिथि	20.08.1986
शैक्षणिक योग्यता	**M.A., NET, JRF**
पूर्व अनुभव	–
अभिरुचि	संगीत सुनना, बैडमिन्टन खेलना
पता	गांव/ पोस्ट लोहरवाड़ा, वाया – उदयपुरिया, तह. चौमूँ जिला – जयपुर
मोबाइल नं.	8290165645
ई–मेल आई. डी.	**bhupensharma30@yahoo.com**

Dream-My dream as a police officer is to serve the Nation.

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	महावीर प्रसाद चोटिया
पिता का नाम	श्री शिवदयाल चोटिया
माता का नाम	श्रीमती सावित्री देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती ममता शर्मा
जन्म तिथि	25.06.1968
शैक्षणिक योग्यता	**M.A., (Political Science)**
पूर्व अनुभव	शिक्षा सेवा
अभिरुचि	मार्गदर्शन, खेल
पता	वार्ड नं. 14, खण्डेला बाजार, तहसील श्रीमाधोपुर जिला – सीकर
मोबाइल नं.	9414700094
ई–मेल आई. डी.	**mahavirchotia@gmail.com**

सेवा उद्देश्य :– मेरा उद्देश्य पुलिस सेवा में रहते हुए अधिकतम जितना हो सके राष्ट्र के लिए सेवा देना तथा गुणवत्ता के साथ कार्य करते हुए नागरिकों को कानूनी व मनोवैज्ञानिक सहायता देकर एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना।

नाम	गोपाल सिंह भाटी
पिता का नाम	श्री रानू सिंह भाटी
माता का नाम	श्रीमती लाछो कंवर
पत्नि का नाम	श्रीमती चन्द्रावती कंवर
जन्म तिथि	12.04.1980
शैक्षणिक योग्यता	**M.A., (Public Administration)**
पूर्व अनुभव	सहायक, पशुपालन विभाग
अभिरुचि	संगीत सुनना
पता	गाँव प्रताप नगर, पोस्ट/तहसील औसियां, जिला – जोधपुर
मोबाइल नं.	9414671959
ई–मेल आई. डी.	**gopalsinghrps78@gmail.com**

सेवा उद्देश्य :– समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक अपनी सेवाएं पहुँचाना और उसे भयहीन बनाना, इस हेतु सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देना। पुलिस एक ऐसी सेवा है जिसकी विपरीत परिस्थितियों में आवश्यकता सबको पड़ती है, अतः पुलिस के सकारात्मक पक्षों से सामान्य जन को परिचित करवाना।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	डॉ. सीमा चौहान
पिता का नाम	श्री जुगेन्द्र सिंह चौहान
माता का नाम	श्रीमती शारदा देवी
पति का नाम	डॉ. अजेय विक्रम सिंह चन्देल
जन्म तिथि	02.06.1971
शैक्षणिक योग्यता	M.A., M. Phil, Ph.D, SLET (Geography)
पूर्व अनुभव	कॉलेज व्याख्याता, भूगोल
अभिरुचि	जरुरतमंद की मदद करना, बागवानी, गृहसज्जा
पता	फ्लैट नं. 205, मंगलायतन अपार्टमेन्ट, जैन मन्दिर रोड़ स्टेशन एरिया, जिला कोटा
मोबाइल नं.	9166641736, 9414286752
ई–मेल आई. डी.	seemachauhanrps@gmail.com

सेवा उद्देश्य :–आम जन की मदद करना और पुलिस की छवि के संबंध में जो भ्रांति लोगों के मन में बैठी हुई है उसको अपने समर्पित कार्यों से दूर करना, पुलिस सेवा से जुड़े सभी कर्त्तव्यों को पूर्ण निष्ठाभाव से सम्पन्न करना।

नाम	रघुवीर प्रसाद
पिता का नाम	श्री लीलाधर
माता का नाम	श्रीमती मैना देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती संतोष शर्मा
जन्म तिथि	11.07.1980
शैक्षणिक योग्यता	M.A., B.Ed, NET, SET
पूर्व अनुभव	व्याख्याता–अर्थशास्त्र
अभिरुचि	बैडमिन्टन खेलना
पता	वार्ड नं. 9, भट्टा कॉलोनी, हनुमानगढ़ जंक्शन जिला – हनुमानगढ़
मोबाइल नं.	9460787723
ई–मेल आई. डी.	rpsharma800@gmail.com

सेवा उद्देश्य :–पुलिस को समाज के प्रति संवेदनशील बनाना, राज्य में शांति और सद्भाव का वातावरण तैयार करना, पुलिस के प्रति आमजन में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	महेन्द्र कुमार पारीक
पिता का नाम	श्री ओमप्रकाश पारीक
माता का नाम	श्रीमती मंजु देवी पारीक
पत्नि का नाम	श्रीमती मोनिका पारीक
जन्म तिथि	05.03.1984
शैक्षणिक योग्यता	M.A., (English) B.Ed
पूर्व अनुभव	वरिष्ठ अध्यापक
अभिरुचि	क्रिकेट खेलना
पता	गांव–बुजियानाऊ, पोस्ट राजास, वाया रोरुबड़ी, तहसील लक्ष्मणगढ़, जिला – सीकर
मोबाइल नं.	7737205348
ई–मेल आई. डी.	mahendrapareekrps@gmail.com

सेवा उद्देश्य:– स्वयं को अनुशासित रखते हुए एक सच्चे पुलिस अधिकारी के रुप में अपने आप को स्थापित करना तथा सही व निष्पक्ष अनुसंधान कर कमजोर वर्ग को त्वरित न्याय दिलाने हेतु प्रयासरत रहना।

नाम	जिनेन्द्र कुमार जैन
पिता का नाम	श्री अश्विनी कुमार जैन
माता का नाम	श्रीमती सावित्री देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती मूमल
जन्म तिथि	12.10.1985
शैक्षणिक योग्यता	M.A., (English & Hindi), B.Ed, NET - JRF
पूर्व अनुभव	प्राध्यापक (हिन्दी)
अभिरुचि	तैराकी, कविता लेखन
पता	सावित्री कुंज, गाँव/पोस्ट राणावास स्टेशन, तहसील मारवाड़ जंक्शन, जिला–पाली
मोबाइल नं.	9462766399
ई–मेल आई. डी.	jinendra28@gmail.com

सेवा उद्देश्य:– अपने पदीय कर्त्तव्यों को पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से सम्पादित करना। समाज में पुलिस की छवि सुधारने हेतु अपना सर्वोत्तम देने का प्रयास करते हुए पुलिस के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करना, कमजोर एवं वंचित वर्ग को त्वरित एवं निष्पक्ष न्याय दिलाने का प्रयास करना।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	देवेन्द्र सिंह राजावत
पिता का नाम	श्री नरेन्द्र सिंह राजावत
माता का नाम	श्रीमती ऊमा राजावत
पत्नि का नाम	श्रीमती एकता राठौड़
जन्म तिथि	09. 04. 1984
शैक्षणिक योग्यता	**B.Sc., B.Ed., LLB**
पूर्व अनुभव	उप निरीक्षक राजस्थान पुलिस
अभिरुचि	तैराकी
पता	गाँव –देहलोद, तहसील– मलारना डूंगर जिला –सवाई माधोपुर
मोबाइल नं.	7877558608
ई–मेल आई. डी.	**deverajawatdehlod@gmail.com**

सेवा उद्देश्य :–पुलिस सेवा में रहते हुए समाज की सेवा करना तथा लोगों के मानस पटल पर पुलिस की जो नकारात्मक छवि है उसे कम करने की कोशिश करना।

नाम	हिमांशु जांगिड़
पिता का नाम	श्री रामचन्द्र जांगिड़
माता का नाम	श्रीमती मैना देवी
पत्नि का नाम	अविवाहित
जन्म तिथि	13.01.1990
शैक्षणिक योग्यता	**M.A., B.Ed, NET-JRF, SET**
पूर्व अनुभव	अध्यापन
अभिरुचि	बैडमिन्टन, नेट सर्फिंग
पता	नयाबास, सोजती गेट, बिलाड़ा, जिला –जोधपुर
मोबाइल नं.	9784476221
ई–मेल आई. डी.	**himanshujopaliya@gmail.com**

सेवा उद्देश्य :– सामान्य जन–जीवन को भय मुक्त कर प्रभावी कार्यवाही द्वारा अपराधियों के प्रति जीरो टोलरेन्स नीति अपनाना व पुलिस की छवि उच्च दर्जे पर प्रस्थापित करना।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	सुभाष चन्द्र
पिता का नाम	श्री घेवर राम
माता का नाम	श्रीमती भंवरी देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती अनिता गौदारा
जन्म तिथि	28.04.1984
शैक्षणिक योग्यता	B.Sc., B.Ed
पूर्व अनुभव	शिक्षक
अभिरुचि	किताबें पढना
पता	वाया/पोस्ट खांगटा, तहसील– पीपाड़ सिटी जिला – जोधपुर
मोबाइल नं.	09782387879
ई–मेल आई. डी.	subhash20013@gmail.com

सेवा उद्देश्य:–जहाँ भी रहें अपने कर्त्तव्यों का पालन करें।

नाम	ओमप्रकाश चौधरी
पिता का नाम	श्री हरका राम चौधरी
माता का नाम	श्रीमती तुलसी देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती मुन्नी चौधरी
जन्म तिथि	25.11.1981
शैक्षणिक योग्यता	M.Sc. (Biotechnology), NET-JRF
पूर्व अनुभव	–
अभिरुचि	बॉलीबाल खेलना, पर्यटक स्थलों पर घूमने जाना
पता	गांव – बनाड़, जिला – जोधपुर
मोबाइल नं.	9460768922
ई–मेल आई. डी.	choudhary.op09@gmail.com

सेवा उद्देश्य:–पुलिस को पब्लिक फ्रेन्डली बनाना। समाज में पुलिस की छवि जो आज काफी धुंधली हो गई है उसमें सुधार करना। इस सेवा के जरिए यदि कोई सामाजिक परिवर्तन लाना चाहे तो ला सकता है, मुझे भी ऐसा लगता है कि इस सेवा के द्वारा बदलाव लाया जा सकता है। भ्रष्टाचार की समस्या को किस तरह से कम किया जा सकता है, इसके लिए विभाग में परिवर्तन के प्रयास होने चाहिये।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	डॉ. दीपक कुमार
पिता का नाम	श्री सतीश चन्द्र शर्मा
माता का नाम	श्रीमती श्यामवती शर्मा
पत्नि का नाम	श्रीमती सीमा शर्मा
जन्म तिथि	27.05.1984
शैक्षणिक योग्यता	**M.A., M.Phil, Ph.D, NET, SET**
पूर्व अनुभव	व्याख्याता कॉलेज शिक्षा
अभिरुचि	किताबें पढना, संगीत सुनना, रेनिंग
पता	3/83, जवाहर नगर, हाऊसिंग बोर्ड, भरतपुर जिला – भरतपुर
मोबाइल नं.	9461868588, 9784315348
ई–मेल आई. डी.	**deepecbh@gmail.com**

Aim and objective
as a police officer – To be a true COP.

नाम	अतुल साहू
पिता का नाम	श्री समरथ मल साहू
माता का नाम	श्रीमती ललिता साहू
पत्नि का नाम	श्रीमती अमी साहू
जन्म तिथि	25.08.1990
शैक्षणिक योग्यता	**M.B.A. (Finance), C.S.**
पूर्व अनुभव	–
अभिरुचि	संगीत सुनना, क्रिकेट खेलना
पता	प्लॉट नं. 1, न्यू श्रीनाथ कॉलोनी, पुँला, जिला – उदयपुर
मोबाइल नं.	8447172548
ई–मेल आई. डी.	**atul.midas@gmail.com**

Dream-To build up citizen friendly approach of police in the mind of citizens by taking proactive steps in the field of intelligence, maintain law and order. Improving the service conditions of police personnel and upgradation of that match world class policing.

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	महावीर प्रसाद शर्मा
पिता का नाम	श्री रावता राम शर्मा
माता का नाम	श्रीमती गायत्री देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती देवकी
जन्म तिथि	10.11.1976
शैक्षणिक योग्यता	**M.A. (History)**
पूर्व अनुभव	कीट विज्ञानी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
अभिरुचि	बैडमिन्टन, तैराकी
पता	3 डी, 13–14 सुखाड़िया नगर, जिला – श्रीगंगानगर
मोबाइल नं.	9468728774
ई–मेल आई. डी.	**sharmamahavir38@gmail.com**

सेवा उद्देश्य:–संवेदशीलता के साथ कार्य करना।

नाम	डॉ. प्रियंका रघुवंशी
पिता का नाम	श्री रामअवतार
माता का नाम	श्रीमती नीरजा रघुवंशी
पति का नाम	सेपरेट
जन्म तिथि	10.07.1979
शैक्षणिक योग्यता	**M.Sc., Ph.D, SLET**
पूर्व अनुभव	एसिस्टेन्ट प्रोफेसर आई आई एस यूनिवर्सिटी
अभिरुचि	पढ़ना
पता	115, महावीर नगर, सांघी फार्म हाऊस, टोंक रोड़ जिला– जयपुर
मोबाइल नं.	9783307175
ई–मेल आई. डी.	**priyanka.raghuvanshi@gmail.com**

Dream- To be the one whom people can idolize.
Aim- To bring good name to my family and country.

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	डॉ. अजीत
पिता का नाम	श्री बाबूलाल
माता का नाम	श्रीमती रेणू
पत्नि का नाम	श्रीमती सुनीला
जन्म तिथि	08.061986
शैक्षणिक योग्यता	M.Phil, Ph.D, NET-JRF
पूर्व अनुभव	कॉलेज व्याख्याता
अभिरुचि	क्रिकेट खेलना
पता	मु0 पो0– सातौर, वाया – पचेरी बड़ी, तह. बुहाना जिला –झुंझुनू (राज.) पिन – 333515
मोबाइल नं.	9460775037
ई–मेल आई. डी.	ajitsharma037@gmail.com

सेवा उद्देश्य :–पुलिस के माध्यम से समाज–सेवा बहुत अच्छे ढंग से की जा सकती है, जनता से सीधे जुड़ने का मौका मिलता है। अपराधियों, समाजसंकटों से आम लोगो की सुरक्षा करना, घायलों को अस्पताल पहुँचाना, पीड़ित को राहत प्रदान करना।

नाम	सौरभ तिवाड़ी
पिता का नाम	श्री रामेश्वर दयाल
माता का नाम	श्रीमती उषा
पत्नि का नाम	श्रीमती रुपाली
जन्म तिथि	20.10.1984
शैक्षणिक योग्यता	B.Sc., B.Ed
पूर्व अनुभव	उप निरीक्षक राजस्थान पुलिस
अभिरुचि	जानकारी परक किताबें पढना, लेखन (कविता)
पता	वार्ड नं. 16 कोर्ट रोड़, सूरतगढ़, जिला – श्रीगंगानगर
मोबाइल नं.	9829361146
ई–मेल आई. डी.	saurabhsi20@gmail.com

सेवा उद्देश्य :–वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पुलिस नामक संस्था संक्रमणशील अवस्था में है, इस कारण पुलिस संगठन में समर्पित कार्मिकों की अति आवश्यकता है। मैं विभाग में समर्पण व वफादारी का भाव विकसित करना चाहता हूँ।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	कमल कुमार
पिता का नाम	श्री रामेश्वर लाल
माता का नाम	श्रीमती सरस्वती देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती सुनीता
जन्म तिथि	10.08.1971
शैक्षणिक योग्यता	M.A., B.Ed, M.Phil, NET, SET
पूर्व अनुभव	अध्यापन
अभिरुचि	वृक्षारोपण
पता	गांव – सिरियासर, पोस्ट – शेखसर, जिला – झुन्झुनू
मोबाइल नं.	9413674052
ई–मेल आई. डी.	kamalkumarjngr@gmail.com

सेवा उद्देश्य:–पुलिस की छवि को निखारना, आम जनता में विश्वास कायम करना, ईमानदारी व निष्ठा से कर्त्तव्य पालन करना।

नाम	मोटाराम
पिता का नाम	स्व. श्री चौखाराम रामेश्वर
माता का नाम	श्रीमती टीपू देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती जयती देवी
जन्म तिथि	02.05.1978
शैक्षणिक योग्यता	B.Sc., B.Ed, M.A.
पूर्व अनुभव	–
अभिरुचि	सामाजिक कार्य करना
पता	गांव/पोस्ट नारसाली, नाडीकोलू, वाया बायतु जिला – बाडमेर
मोबाइल नं.	8104407214
ई–मेल आई. डी.	saurabhsi20@gmail.com

सेवा उद्देश्य:–प्रशासनिक सेवा में जाकर उपेक्षित वर्ग को पुलिस प्रशासन की सेवाओं तक पहुँच बनाना। आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास पैदा करना। राजस्थान पुलिस के ध्येय लक्ष्य में अपने आपको समाहित कर अच्छा पुलिस अधिकारी बनना।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	प्रवीण कुमार
पिता का नाम	श्री छोगाराम
माता का नाम	श्रीमती लक्ष्मी देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती लीला
जन्म तिथि	01.01.1984
शैक्षणिक योग्यता	**M.A. (Hindi)**
पूर्व अनुभव	–
अभिरुचि	योग, कविता लेखन
पता	पोस्ट– सेवाड़ा, तहसील – रानीवाड़ा, जिला– जालौर
मोबाइल नं.	9784198482
ई–मेल आई. डी.	**pravinkumarrps84@gmail.com**

सेवा उद्देश्य :–कानून व व्यवस्था, शांति और सौहार्द का वातावरण बनाने के लिए पुलिस व्यवस्था भारतीय लोकतंत्र का आधार स्तम्भ है। जनता के बीच पुलिस की छवि को और बेहतर बनाने का प्रयास, शारीरिक प्रशिक्षण प्राप्त कर शारीरिक मजबूती प्राप्त करना, इस सेवा में रहकर आम नागरिक में पुलिस के प्रति विश्वास को और मजबूत बनाने का भरसक प्रयास करूंगा तथा अपराधियों में डर पैदा करूंगा जिससे समाज के सौहार्द व प्रेम में कमी न आए।

नाम	जयदेव सियाग
पिता का नाम	श्री नरसिंगाराम सियाग
माता का नाम	श्रीमती हेमी देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती कमला
जन्म तिथि	14.06.1985
शैक्षणिक योग्यता	**M.A., NET**
पूर्व अनुभव	ग्राम सेवक एवं पदेन सचिव, पंचायती राज
अभिरुचि	घुड़सवारी
पता	गांव/पोस्ट – पन्नानियों का तला (तारातरा) वाया रानीगांव तहसील– चौहटन, जिला – बाडमेर
मोबाइल नं.	9413639755
ई–मेल आई. डी.	**jaidevsiyag85@gmail.com**

सेवा उद्देश्य :–शारीरिक स्वस्थता को बनाए रखते हुए अपने मानसिक और शारीरिक शक्तियों का पूर्ण उपयोग करते हुए कर्त्तव्यों का निर्वहन करना, साथ ही स्वयं, परिवार, समाज, राज्य एवं राष्ट्र के प्रति कृतज्ञ रहते हुए कार्य करना।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	लोकेन्द्र दादरवाल
पिता का नाम	श्री शंकर लाल दादरवाल
माता का नाम	श्रीमती संतोष
पत्नि का नाम	श्रीमती सुमन
जन्म तिथि	01.11.1976
शैक्षणिक योग्यता	M.A., B.Ed, NET, SET, PGDMM
पूर्व अनुभव	व्याख्याता (इतिहास) माध्यमिक शिक्षा
अभिरुचि	क्रिकेट खेलना व पढना
पता	बी–7, आशियाना, विवेकानन्द कॉलोनी, नया खेड़ा अम्बाबाड़ी, जयपुर
मोबाइल नं.	9461661604
ई–मेल आई. डी.	lokendradadrwal@gmail.com

सेवा उद्देश्य:–पुलिस सेवा में रहते हुए मेरा ध्येय पुलिस के आदर्श वाक्य– आमजन में विश्वास अपराधियों में डर को सार्थक करना होगा। सेवा में रहते हुए मैं जितना अधिक जरूरत मंदों के काम आ सकूँ, वह मेरी उपलब्धि होगी।

नाम	मनस्वी चौधरी
पिता का नाम	श्री कृष्ण लाल
माता का नाम	श्रीमती सन्तरो देवी
पति का नाम	अविवाहित
जन्म तिथि	10.03.1987
शैक्षणिक योग्यता	M.A., B.Ed, NET, SET
पूर्व अनुभव	वरिष्ठ अध्यापक
अभिरुचि	साहित्य पढना
पता	चमड़िया कॉलोनी, वार्ड नं. 2, तेरापंथ भवन के पास खाजूवाला, जिला– बीकानेर
मोबाइल नं.	9784052765
ई–मेल आई. डी.	manasvichoudhary88@gmail.com

सेवा उद्देश्य:–पंक्ति के उस व्यक्ति का जो हमसे न्याय की उम्मीद लिये हमारे पास आता है उसकी उम्मीद को पूरा करना, अपने पद के साथ पूरा न्याय करना, समाज में बढ़ते अपराधीकरण पर रोक लगाने का प्रयास, अपने कर्त्तव्यों को पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी से पूरा करना, अपना सर्वोत्तम देने का अथक प्रयास।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	संजना सैनी
पिता का नाम	श्री राकेश कुमार सैनी
माता का नाम	श्रीमती प्रेम देवी
पति का नाम	अविवाहित
जन्म तिथि	02.08.1989
शैक्षणिक योग्यता	**M.A., (Political Science)**
पूर्व अनुभव	कनिष्ठ वाणिज्यिक कर अधिकारी
अभिरुचि	संगीत
पता	गांव – मानपुरा, पोस्ट – निमोद, तहसील नीमकाथाना जिला – सीकर
मोबाइल नं.	7597413277
ई–मेल आई. डी.	**sainisanjana79@gmail.com**

सेवा उद्देश्य :–पुलिस विभाग में अपने जो भी निर्धारित कर्त्तव्य हैं उनका भली भांति पालन करना व अनुशासित रहना, पुलिस विभाग में कार्य करते हुए सुनिश्चित करना कि किसी भी कार्य से कोई निर्दोष व्यक्ति परेशान न हो तथा पुलिस विभाग की छवि में सकारात्मक सुधार आ पावें। आपराधिक गतिविधियों के प्रति सख्ती, आम जनता की समस्याओं का बेहतर निराकरण का प्रयास करना।

नाम	नविता खोखर
पिता का नाम	श्री हरपाल सिंह
माता का नाम	श्रीमती ओमकली
पति का नाम	श्री तुलसा राम
जन्म तिथि	30.10.1973
शैक्षणिक योग्यता	**B.Sc., M.A., M.Ed, M.B.A**
पूर्व अनुभव	प्रधानाध्यापिका, माध्यमिक शिक्षा विभाग
अभिरुचि	संगीत
पता	गांव – रामपुर देवाणी, पोस्ट– तालछापर, जिला– चूरु
मोबाइल नं.	9468952828
ई–मेल आई. डी.	**navitarps@gmail.com**

सेवा उद्देश्य :– अपने संवैधानिक कर्त्तव्यों का निर्वहन करते हुए कानून व्यवस्था बनाये रखना, अपराधियों के प्रति सख्त कार्यवाही करना एवं पुलिस का मानवीय चेहरा जनता के समक्ष ला कर जन विश्वास अर्जित करना।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	राजेश आर्य
पिता का नाम	श्री बाबूलाल आर्य
माता का नाम	श्रीमती सन्तरा आर्य
पत्नि का नाम	श्रीमती रचना आर्य
जन्म तिथि	11.10.1985
शैक्षणिक योग्यता	**M.Sc. (Geography), NET-JRF**
पूर्व अनुभव	–
अभिरुचि	गाने सुनना व क्रिकेट खेलना
पता	शक्ति विहार कॉलोनी, जीतराम के कुऐं के पास, बहरोड़ जिला – अलवर
मोबाइल नं.	9784683281
ई–मेल आई. डी.	**arya.rajesh86@gmail.com**

सेवा उद्देश्य:–आमजन में पुलिस की सकारात्मक छवि प्रस्तुत कर उस स्तर तक सेवा प्रदान करना जिससे राष्ट्रपति पुलिस पदक प्राप्त हो सके।

नाम	दिनेश कुमार
पिता का नाम	श्री लक्ष्मीनारायण
माता का नाम	श्रीमती गीता देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती मधु
जन्म तिथि	07.05.1984
शैक्षणिक योग्यता	**M.A. (History), NET-JRF**
पूर्व अनुभव	प्राध्यापक (इतिहास)
अभिरुचि	संगीत सुनना
पता	तालकिया रोड़, जैतारण, जिला – पाली
मोबाइल नं.	9928902016
ई–मेल आई. डी.	**dineshkparihar1984@gmail.com**

सेवा उद्देश्य:–पुलिस सेवा एक उत्कर्ष सेवा है जिसमें किसी गरीब की आखों से आँसू पोछने का ईश्वर प्रदत्त आशीर्वाद है, जो बुराइयाँ हम अपने आस–पास देखते हैं उन्हें कम करने में अपने आपको सक्षम पाते हैं, इसी उद्देश्य के साथ यह सेवा ज्वाईन की है।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	विनोद कुमार सीपा
पिता का नाम	श्री जयनारायण सीपा
माता का नाम	श्रीमती पुष्पा सीपा
पत्नि का नाम	श्रीमती नम्रता सीपा
जन्म तिथि	28.09.1983
शैक्षणिक योग्यता	B.A.
पूर्व अनुभव	–
अभिरुचि	क्रिकेट खेलना एवं बैडमिन्टन खेलना
पता	वार्ड नं.4, वाया/पोस्ट बलवना, बिसलपुर, जवाई बांध तहसील सुमेरपुर, जिला – पाली
मोबाइल नं.	9166566896
ई–मेल आई. डी.	vinodksipa@gmail.com

सेवा उद्देश्य :– भारतीय समाज और परिवेश की मांग के अनुरुप एक अच्छे पुलिस अधिकारी के रुप में स्वयं को स्थापित करना।

नाम	ऋषिकेश मीना
पिता का नाम	श्री रामचरण मीना
माता का नाम	श्रीमती कंचनी मीना
पत्नि का नाम	श्रीमती सरोज मीना
जन्म तिथि	01.07.1977
शैक्षणिक योग्यता	M.A., M.Phil
पूर्व अनुभव	कॉलेज व्याख्याता (इतिहास)
अभिरुचि	घुड़सवारी
पता	गाँव/पोस्ट – मण्डेरु, तहसील टोड़ाभीम जिला – करौली
मोबाइल नं.	9461741215
ई–मेल आई. डी.	meenarishimanderu@gmail.com

सेवा उद्देश्य :–अच्छे पुलिस ऑफिसर के रूप में स्वयं को स्थापित करना, समाज और देश की सेवा करना, जनता और पुलिस के बीच की दूरी को पाटना, पीड़ित – विशेषकर महिला सुरक्षा एवं गरीब उत्पीड़ित की को सुरक्षा सुनिश्चित करना मेरा उद्देश्य एवं सपना दोनो हैं।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	नेमीचन्द खारिया
पिता का नाम	श्री भगवान सहाय खारिया
माता का नाम	श्रीमती शान्ति देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती अनुपम कायल
जन्म तिथि	06.11.1981
शैक्षणिक योग्यता	M.Sc. (Chemistry), NET-JRF
पूर्व अनुभव	प्रवक्ता, तकनीकी शिक्षा राजस्थान
अभिरुची	क्रिकेट खेलना
पता	वार्ड नं. 37, भंवर कॉलोनी, कृषि उपज मंडी के पीछे सीकर जिला – सीकर
मोबाइल नं.	9414020041
ई–मेल आई. डी.	nemickharia@gmail.com

सेवा उद्देश्य:–एक आर.पी.एस. अधिकारी के पद पर कार्य करते हुए शांति और कानून व्यवस्था बनाये रखना मेरा कर्त्तव्य है। इसी कर्त्तव्य पथ पर आगे बढ़ते हुए मेरा सपना है कि बच्चों को वो माहौल उपलब्ध करवा सकूँ जिससे उनके चेहरों पर आयी मुस्कान में सिर्फ बचपन की मासुमियत हो और जीवन में समाज की हर बुराई और डर से परे केवल उत्साह और उमंग की खनक हो। साथ ही मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि लोगों में पुलिस के प्रति भय या शंका नहीं बल्कि अपनी समस्याओं के निवारण को लेकर पूर्ण विश्वास हो। इसी में इस सेवा की सार्थकता समझता हूँ।

नाम	मनराज मीना
पिता का नाम	श्री हरगोविन्द मीना
माता का नाम	श्रीमती रामनिवासी देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती मोनिका मीना
जन्म तिथि	14.09.1989
शैक्षणिक योग्यता	B.Sc.
पूर्व अनुभव	जे. सी. टी. ओ.
अभिरुची	संगीत सुनना, बॉलीबाल खेलना
पता	गाँव–खिरखड़ी, तहसील – बौंली, जिला– सवाई माधोपुर
मोबाइल नं.	9785619009
ई–मेल आई. डी.	manrajbonli@yahoo.com

सेवा उद्देश्य:–आमजन को पुलिस की बहुत जरूरत है। पुलिस में रहते हुए समाज व राष्ट्र के ऋण को उऋण करने की कोशिश करूंगा।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	शंकर लाल मीणा
पिता का नाम	श्री हनुमान सहाय मीणा
माता का नाम	श्रीमती गुलाब मीणा
पत्नि का नाम	श्रीमती सुनिता मीणा
जन्म तिथि	08.10.1980
शैक्षणिक योग्यता	M.A. (History)
पूर्व अनुभव	लेखाकार, राज. सरकार
अभिरुचि	क्रिकेट खेलना, बॉलीबाल खेलना
पता	गाँव – सिन्दोली, (हाबूड़ा की ढ़ाणी) पोस्ट– फालियावास तहसील– बस्सी, जिला–जयपुर
मोबाइल नं.	09887657189
ई–मेल आई. डी.	slmeenasir@gmail.com

Dream & Aim- To serve needy person, good relation with people & to provid police service to last person.

नाम	मुनेशी मीना
पिता का नाम	श्री रामराज मीना
माता का नाम	श्रीमती उगन्ती देवी
पति का नाम	श्री अजीत कुमार मीना
जन्म तिथि	15.04.1985
शैक्षणिक योग्यता	M.A., B.Ed, NET-JRF, SET
पूर्व अनुभव	शिक्षक
अभिरुचि	उपन्यास पढ़ना, योगाभ्यास करना
पता	गाँव– गोकुलपुरा, तहसील – सपोटरा, जिला – करौली
मोबाइल नं.	9783185177
ई–मेल आई. डी.	muneshimeenarps@gmail.com

सेवा उद्देश्य:–आम जनता की पीड़ा को दूर करना एवं महिलाओं के प्रति निरन्तर बढ़ रहे अत्याचारों पर त्वरित कार्यवाही करना।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	प्रेम धणदे
पिता का नाम	श्री रुपाराम
माता का नाम	श्रीमती जतना देवी
पति का नाम	डॉ. तुलछाराम मेघवाल
जन्म तिथि	23.02.1983
शैक्षणिक योग्यता	B.E., M.B.A.
पूर्व अनुभव	–
अभिरुचि	बैडमिन्टन खेलना
पता	गाँव– लाठी, तहसील – पोकरण, जिला – जैसलमेर
मोबाइल नं.	7742163681
ई–मेल आई. डी.	prem.anukampa@gmail.com

सेवा उद्देश्य :–एक अनुशासित फोर्स का हिस्सा बनना मेरे लिए गौरव की बात है। पुलिस की नौकरी में रहते हुए सदैव महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गो के प्रति संवेदनशीलता पूर्वक कार्य करूंगी, साथ ही कानून को प्रवर्तन करने के लिए सदैव बृद्धिमता एवं तार्किक आधार पर निर्णय लूंगी जिसमें न कोई जातिवाद होगा और ना ही क्षेत्रवाद।

नाम	अंजुम कायल
पिता का नाम	श्री चुन्नी लाल कायल
माता का नाम	श्रीमती किरण कायल
पति का नाम	श्री अमित कुमार स्नेही
जन्म तिथि	13.11.1989
शैक्षणिक योग्यता	M.A. (Economic), NET-JRF
पूर्व अनुभव	–
अभिरुचि	संगीत
पता	सी–209, महेश नगर, 80 फीट रोड़, जयपुर
मोबाइल नं.	9461683809
ई–मेल आई. डी.	anjum89kayal@gmail.com

सेवा उद्देश्य :–जिस प्रकार मैने अपने पिताजी को अपनी सेवा का निर्वहन निष्ठा व ईमानदारी से करते हुए देखा है, उसी प्रकार एक पुलिस अधिकारी के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा, ईमानदारी एवं नियमानुसार करना मेरा सेवा उद्देश्य है

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	संध्या यादव
पिता का नाम	श्री आर. पी. यादव
माता का नाम	श्रीमती सुशीला यादव
पति का नाम	अविवाहित
जन्म तिथि	19.03.1978
शैक्षणिक योग्यता	**M.A. (History), NET, SET**
पूर्व अनुभव	–
अभिरुचि	चित्रकारी, घूमना
पता	यादव वीर भवन, भोपाल सागर, जिला– चित्तौड़गढ़
मोबाइल नं.	9928816411, 9829289338
ई–मेल आई. डी.	**sandhyaa.p19@gmail.com**

सेवा उद्देश्य:–आमजन की सेवा करना, किसी भी जरूरतमंद, गरीब और परेशान व्यक्ति के आँसू पोंछना, उसकी तकलीफ दूर करना सही मायने में जन सेवा है।

नाम	महेन्द्र कुमार शर्मा
पिता का नाम	श्री मुरारी लाल शर्मा
माता का नाम	श्रीमती अशरफी देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती सीमा शर्मा
जन्म तिथि	17.06.1977
शैक्षणिक योग्यता	**M.A. (Sanskrit)**
पूर्व अनुभव	उप निरीक्षक राजस्थान पुलिस
अभिरुचि	किताबें पढाना, संगीत सुनना
पता	पावर हाऊस के पास खेड़ली, जिला – अलवर
मोबाइल नं.	9414248551
ई–मेल आई. डी.	**mahendrasharma755@gmail.com**

सेवा उद्देश्य:– अनुशासित रहकर कर्त्तव्य पालन करना मेरी संतुष्टि का विषय है। पुलिस में रहने के दौरान मैने हमेशा कमजोर वर्ग को सही व निष्पक्ष अनुसंधान के माध्यम से न्याय दिलाने का प्रयास किया है। भविष्य में आर.पी.एस. सेवा में भी इसी के लिए प्रयासरत रहूँगा।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	गीता
पिता का नाम	श्री लक्ष्मण राम
माता का नाम	श्रीमती विमला देवी
पति का नाम	स्व. श्री दीपक कस्वां
जन्म तिथि	05.03.1976
शैक्षणिक योग्यता	M.A., B.Ed
पूर्व अनुभव	शिक्षा विभाग
अभिरुचि	योग, रेकी
पता	9/ई 253, विकासदीप, सेक्टर–9, चित्रकूट वैशालीनगर, जयपुर
मोबाइल नं.	9414950703
ई–मेल आई. डी.	geetakaswan1976@gmail.com

सेवा उद्देश्य:–कर्त्तव्य को कर्त्तव्य समझकर कार्य करना, जरूरतमंद को त्वरित न्याय प्रदान करना, महिलाओं व बच्चों के प्रति संवेदनशीलता, अपराधी का मनोविज्ञान समझते हुए उचित कार्यवाही करना।

नाम	ममता सारस्वत
पिता का नाम	श्री वेद प्रकाश ओझा
माता का नाम	श्रीमती नानू देवी ओझा
पति का नाम	श्री सुरेश सारस्वत
जन्म तिथि	08.01.1978
शैक्षणिक योग्यता	M.A., B.Ed
पूर्व अनुभव	महिला बाल विकास विभाग में परियोजना अधिकारी
अभिरुचि	पुस्तकें पढ़ना
पता	3/282, पुराना हाऊसिंग बोर्ड, सूरतगढ़, जिला –श्रीगंगानगर
मोबाइल नं.	9829864052
ई–मेल आई. डी.	mamtasaraswat078@gmail.com

सेवा उद्देश्य:– एक अच्छे पुलिस अधिकारी व एक अच्छे इंसान के रुप में खुद को स्थापित करना मेरा उद्देश्य व सपना है।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	दिनेश कुमार यादव
पिता का नाम	श्री रामसिंह यादव
माता का नाम	स्व. श्रीमती लाली देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती प्रियंका यादव
जन्म तिथि	10.01.1978
शैक्षणिक योग्यता	M.A., M.Phil (Hindi)
पूर्व अनुभव	व्याख्याता कॉलेज शिक्षा, सहायक वाणिज्यिक कर अधिकारी
अभिरुचि	साहित्यिक पुस्तकें पढ़ना
पता	गाँव– सुरजपुरा, पोस्ट – चाँदपुर, तहसील – मुण्डावर जिला – अलवर
मोबाइल नं.	9929228716
ई–मेल आई. डी.	dinesh0159@gmail.com

सेवा उद्देश्य:–मेरा पुलिस में आने का प्रमुख उद्देश्य सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ–साथ सामाजिक सेवा करना रहा है। किसी के आँखो में आँसू खत्म करने में सफल रहा तो यह मेरे जीवन की चरम सार्थकता व परिणीति होगी। अन्याय के प्रतिकार की लड़ाई में सबसे सहायक केवल एक मात्र पुलिस सेवा है और मै चाहता हूँ इसी माध्यम से मै अन्याय व शोषण के खिलाफ अपना योगदान प्रदान कर सकता हूँ।

नाम	पारस सोनी
पिता का नाम	श्री पीराराम सोनी
माता का नाम	श्रीमती हवा देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती सरोज सोनी
जन्म तिथि	08.04.1982
शैक्षणिक योग्यता	M.Sc., B.Ed
पूर्व अनुभव	अध्यापक वर्ष–2005–11 तक एवं बी.डी.ओ. वर्ष 2011–16
अभिरुचि	ग्रामीण विकास के बारे में वार्तालाप करना
पता	गाँव/पोस्ट – अरनीयाली, तहसील – धोरीमन्ना जिला – बाड़मेर
मोबाइल नं.	9829048627
ई–मेल आई. डी.	parasbmr@gmail.com

सेवा उद्देश्य:– अच्छे पुलिस अधिकारी के रुप में स्वयं को स्थापित कर आमजन में विश्वास एवं अपराधियों मे भय स्थापित करना।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	सन्तोषी कुमारी मीना
पिता का नाम	श्री धर्मसिंह मीना
माता का नाम	श्रीमती धनबाई मीना
पति का नाम	डॉ. राहुल मीना
जन्म तिथि	07.02.1984
शैक्षणिक योग्यता	M.A., M. Phil
पूर्व अनुभव	सहायक वाणिज्यिक कर अधिकारी
अभिरुचि	सामाजिक मुद्दों से जुड़ाव
पता	गाँव/पो0 – सिकरोदा, तहसील–हिण्डौन सिटी जिला – करौली
मोबाइल नं.	7073271255
ई–मेल आई. डी.	rsmeena27@gmail.com

सेवा उद्देश्य:–महिलाओं और बच्चों के लिए कार्य करना तथा विशेषकर बालक/बालिकाओं जिनसे बालश्रम करवाया जा रहा है उन्हें बालश्रम से मुक्त कराना।

नाम	रोशन लाल पटेल
पिता का नाम	श्री शंकर लाल पटेल
माता का नाम	श्रीमती पार्वती बाई पटेल
पत्नि का नाम	श्रीमती चेतना पटेल
जन्म तिथि	04.04.1976
शैक्षणिक योग्यता	M.A. (History), NET, SET,
पूर्व अनुभव	विद्यालयी शिक्षण (10 वर्ष)
अभिरुचि	भ्रमण, वृक्षारोपण
पता	गाँव – कानपुर खेड़ा, पोस्ट– कानपुर, तहसील– गिर्वा जिला – उदयपुर
मोबाइल नं.	9414343725
ई–मेल आई. डी.	rpsroshanpatel4476@gmail.com

सेवा उद्देश्य:–पुलिस के प्रति जनता में जो नकारात्मक छवि बनी हुई है उसे सकारात्मक बनाना और जनता व पुलिस में सामंजस्य बैठाना ताकि समाज में होने वाले अपराधों को न्यूनतम किया जा सके और भयमुक्त व अपराधमुक्त देश व समाज का निर्माण हो सके।

आर पी एस बैच संख्या 47

नाम	जसवीर मीणा
पिता का नाम	श्री जमना लाल मीणा
माता का नाम	स्व. श्रीमती रामकन्या देवी
पत्नि का नाम	श्रीमती अनिता मीणा
जन्म तिथि	06.11.1980
शैक्षणिक योग्यता	M.A., NET
पूर्व अनुभव	ए.एस.आई., कॉलेज लेक्चरर, राज. लेखा सेवा (2011)
अभिरुची	क्रिकेट खेलना, बॉलीबॉल खेलना
पता	गाँव/पोस्ट–जोलन्दा तहसील – मलारना डूंगर जिला – सवाई माधोपुर
मोबाइल नं.	9414552550
ई–मेल आई. डी.	jasveermeena06@gmail.com

सेवा उद्देश्य :–समाज के कमजोर वर्गों को अपराधियों के भय से मुक्त कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाते हुये भेदभाव मुक्त, समता युक्त एवं अपराध मुक्त समाज की स्थापना कर राज्य एवं राष्ट्र निर्माण को सुदृढ़ करना।

Profiling of Batch

Age Profile

Age Group	No. of Trainees
25-30 yrs.	07
30-35 yrs.	17
35-40 yrs.	13
40-45 yrs.	05
45 & Above	03

Gender Profile

Sex	No. of Trainees
Male	33
Female	12

Academic Profile

Education Qualification	No. of Trainees
Graduate	06
Post Graduate	39
Ph.D	04
NET-JRF	19
SET/SLET	12
M.Phil	06
M.B.A.	04
M.Ed	01
B.Ed	15
Others	B.E.-1, C.S.-1, PGDMM-1, LLB-1

''मेरा देश जल रहा, कोई नहीं बुझाने वाला''

घर–आंगन में आग लग रही, सुलग रहे वन–उपवन,
दर दीवारें चटख रही हैं जलते छप्पर–छाजन।
तन जलता है, मन जलता है, जलता जन–धन–जीवन,
एक नहीं जलते सदियों से जकड़े गर्हित बंधन।
दूर बैठकर ताप रहा है, आग लगाने वाला,
मेरा देश जल रहा, कोई नहीं बुझाने वाला।

भाई की गर्दन पर भाई का तन गया दुधारा,
सब झगड़े की जड़ है पुरखों के घर का बंटवारा।
एक अकड़कर कहता अपने मन का हक ले लेंगे,
और दूसरा कहता तिल भर भूमि न बँटने देंगे।
पंच बना बैठा है घर में फूट डालने वाला,
मेरा देश जल रहा कोई नहीं बुझाने वाला।

दोनों के नेतागण बनते अधिकारों के हामी,
किन्तु एक दिन को भी हमको अखरी नहीं गुलामी।
दानों को मोहताज हो गए दर–दर बने भिखारी,
भूख, अकाल, महामारी से दोनों की लाचारी।
आज धार्मिक बना धर्म का नाम मिटाने वाला,
मेरा देश जल रहा कोई नहीं बुझाने वाला।

होकर बड़े लड़ेंगे यों यदि कहीं जान मैं लेती,
कुल–कलंक–संतान सौर में गला घोंट मैं देती।
लोग निपूति कहते पर यह दिन न देखना पड़ता,
मैं न बन्धनों में सड़ती छाती में शूल न गढ़ता।
बैठी यही बिसूर रही माँ, नीचों ने घर घाला
मेरा देश जल रहा कोई नहीं बुझाने वाला।

भगत सिंह, अशफाक लालमोहन, गणेश बलिदानी,
सोच रहे होंगे हम सबकी व्यर्थ गई कुरबानी।
जिस धरती को तन की देकर खाद खून से सींचा,
अंकुर लेते समय उसी पर किसने जहर उलीचा।
हरी–भरी खेती पर ओले गिरे, पड़ गया पाला,
मेरा देश जल रहा, कोई नहीं बुझाने वाला।

जब भूखा बंगाल तड़प मर गया ठोककर किस्मत,
बीच हाट में बिकी तुम्हारी माँ–बहनों की अस्मत।
जब कुत्तों की मौत मर गए बिलख–बिलख नर–नारी,
कहाँ गई थी भाग उस समय मरदानगी तुम्हारी।
तब अन्यायी का गढ़ तुमने क्यों न चूर कर डाला,
मेरा देश जल रहा कोई नहीं बुझाने वाला।

पुरखों का अभिमान तुम्हारा, और वीरता देखी।
राम–मुहम्मद की संतानों, व्यर्थ न मारो शेखी।
सर्वनाश की लपटों में, सुख शांति झोंकनें वालों,
भोले बच्चे, अबलाओं के छुरा भोंकने वालों।
ऐसी बर्बरता का इतिहासों में नहीं हवाला,
मेरा देश जल रहा कोई नहीं बुझाने वाला।

घर–घर माँ की कलख पिता की आह, बहन का क्रंदन,
हाय, दुधमुँहे बच्चे भी, हो गए तुम्हारे दुश्मन ?
इस दिन की खातिर ही थी शमशीर तुम्हारी प्यासी ?
मुँह दिखलाने योग्य कहीं भी रहे न भारतवासी।

हंसते हैं सब देख गुलामों का यह ढंग निराला
मेरा देश जल रहा कोई नहीं बुझाने वाला।
जाति–धर्म, गृह–हीन युगों का नंगा–भूखा–प्यासा,
आज सर्वहारा तू ही है एक हमारी आशा।
ये छल छंद शोषकों के हैं कुत्सित, ओछे, गन्दे,
तेरा खून चूसने को ही ये दंगों के फंदे।
तेरा एका गुमराहों को राह दिखाने वाला,
मेरा देश जल रहा कोई नहीं बुझाने वाला।

लोकेन्द्र दादरवाल
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

'' ऐ हवा कभी तो मेरे दर से गुजर''

कभी समंदर किनारे नर्म, ठंडी रेत पर बैठे हुए, डूबते हुए सूरज को निहारना ओर फिर यूँ लगे कि मन भी उसी के साथ हो लिया हो। इस दुनिया की उथल–पुथल से दूर, बहुत दूर और पा लेता कुछ सुकून भरे लम्हें।

किसी पहाड़ी की चोटी पर बने मंदिर की सीढ़ियाँ पैदल चढ़कर जाना और दर्शनोपरांत उन्हीं सीढ़ियों पर कुछ देर बैठकर वादी की खूबसूरती को आँखों से पी जाना। बयां करते–करते थक जाना मगर चुप होने का नाम न लेना। मगर इन सबके बीच जब तन्हाई आकर डस जाये तो कुछ दर्द के साये उमड़ने लगते हैं और ना चाहते हुए भी ख्वाबों का ताना–बाना कुछ इस तरह सामने आता है :–

ऐ हवा कभी तो मेरे दर से गुजर
देख कितनी महकी यादें संभाली हैं मैंने,
संग तेरे कर जाने को, हवा हो जाने को।

ऐ बहार कभी तो इधर भी रूख कर
देख कई गुलाब मैंने भी रखे थे कभी,
किताबों में मुरझाने को।

ऐ चाँद थोडी चाँदनी की इनायत कर
कई छाले मैंने भी सजा कर रखे है,
बेजान बदन तड़पाने को
रूह का दर्द छिपाने को।

ऐ चिराग घर में कुछ तो रोशनी कर,
कई बार आशियाँ जलाया है मैंने,
उजाला पास बुलाने को,
अँधेरा दूर बुलाने को।

ऐ शाम ना जा, जरा कुछ देर ठहर,
अक्सर रात को पाया है मैंने
तन्हाई मेरी मिटाने को
दोस्त कोई कहलाने को।

अजीत
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

संकल्प

एक ऐसे समय जबकि राष्ट्र की सीमाओं पर खतरा है और वीर सैनिक अपना शौर्य प्रदर्शित कर रहे हैं, राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक के पास अपने राष्ट्र प्रेम, समर्पण व भक्ति को व्यक्त करने का अवसर है। एक पुलिस अधिकारी के रूप में हमारे समक्ष भी आन्तरिक चुनौतियों से निपटने, अपराधों पर नियंत्रण, कानून व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस सेवा के माध्यम से राष्ट्र प्रेम प्रकट करने का अवसर है। सिपाही की वर्दी में हमारे भीतर का नागरिक किसी भी सैनिक अथवा देश प्रेमी से कम नहीं है। हमने संकल्प लिया है कि पुलिस अधिकारी के रूप में अपराधों पर नियंत्रण से लेकर आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त स्लीपर सेल पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए राष्ट्र की सेवा करेंगे और वर्दी का भान रखते हुए कर्त्तव्य पालन करेंगे

''जयहिन्द''

महावीर चोटिया
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

मैं भारत का वोटर हूँ

मैं भारत का वोटर हूँ, मुझे लड्डू दोनों हाथ चाहिए।
बिजली मै बचाऊंगा नहीं, बिल मुझे कम चाहिए।
पेड़ मैं लगाऊंगा नहीं, मौसम मुझे नम चाहिए।
शिकायत मैं करूँगा नहीं, कार्यवाही मुझको तुरन्त चाहिए।
बिना लिए काम न करूँ, भ्रष्टाचार का अंत चाहिए।
पढ़ने को मेहनत न बाबा, नौकरी लालीपॉप चाहिए।
घर के बाहर कूड़ा फेकूँ, शहर मुझको साफ चाहिए।
काम करूँ न धेले भर का, वेतन लल्लनटॉप चाहिए।
एक नेता कुछ बोल गया सो, मुफ्त में पन्द्रह लाख चाहिए।
लोन मिले बिल्कुल सस्ता, बचत पर ब्याज बढ़ा चाहिए।
धर्म के नाम रेवड़ियां खाएँ, पर देश धर्मनिरपेक्ष चाहिए।
जाति के नाम पर वोट दे, अपराध मुक्त राज्य चाहिए।
मैं भारत का वोटर हूँ, मुझे लड्डू दोनों हाथ चाहिए।

सौरभ तिवाड़ी
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

''एक छोटी से उड़ान''

कुछ लिखने की चाह है,
तो हाथ में कलम पकड़.....।
मन में उमड़ते भावों को हर समय
सम्पूर्णता के साँचे में मत जकड़.....।
भले ही डगमगाते तेरे पाँव,
तू मत कर इंतजार, कल दौड़ने का
लड़खड़ाते हुए ही चल मगर, अभी से चल.....।
माना कि खुले और विस्तृत आसमान में
तू ऊँची ही उड़ान भरना चाहे उसी पल,
तेरी अपने छाटे–छोटे पंखों पर जो नजर जाये,
तो पिंजरे में कैद होकर आठों पहर,
उनके बड़े होने का इंतजार मत कर.....।
छोटी ही सही, लेकिन तू उसी पल
एक उन्मुक्त सी उड़ान तो भर.....।

जिनेन्द्र कुमार जैन
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

''पुलिस का समर्पण''
अनुशासन का रूप है ये।
जीवन की कड़ी धूप है ये।।
इससे ही तो उपजेगा
जीवन के होने का गर्व।
अद्भुत है ये पावन पर्व।।
हमको बड़ा गुमान है।
जिम्मेदारी हमारी पहचान है।।
कानून के साधन हम ही हैं।
व्यवस्था हमसे ही बनी है।।
जी–जान अपनी लगाएंगे।
कानून का राज बनाएंगे।।
हम हैं तो फिर जनतंत्र है।
कानून ही हमारा मंत्र है।।
मुफ़लिस को न्याय दिलाएंगे।
आततायी को दहलाएंगे।।
ये ही अब हमारा कर्म है।
ये ही अब हमारा धर्म है।।
करना अब तो बस यही है जाहिर।।
!!आमजन में विश्वास और अपराधियों में डर!!

राजेश आर्य
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

''फिर से वही सार्थ बनो''
कुरूक्षेत्र देखो सज चुका है
युद्ध नगाड़ा बज चुका है।
असमंजस फिर गहरा है
साहस भी हां ठहरा है।
किंकर्त्तव्यविमूढ़ता के इस चरम पर
ऊहापोह के इस स्तर पर
मैं फिर से चुका, धीरज बनता हूँ
तुम फिर से बढ़ता उत्साह बनो।
मैं फिर गांडीव छोड़ रण विरत बनता हूँ
तुम लक्ष्य इंगित कर हाथ बनो।
मैं फिर से वहीं पार्थ बनता हूँ
तुम फिर से वहीं सार्थ बनो।
मैं फिर से वही काली रात बनता हूँ
तुम फिर से उजाला प्रभात बनो।
अब यूं ही मनमोहक मुरली की
ताने ही मत छेड़ो तुम।
समर एक नया शेष है
रथ का वल्गार खींचो तुम।
मैं फिर से जब इस असमंजस में फंसता हूँ
तुम वहीं गीता का सार बनो।
मैं फिर से वहीं पार्थ बनता हूँ
तुम फिर से वहीं सार्थ बनो।

संजना सैनी
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

साथियों अब हम तैयार हैं एक नई उमंग के साथ।
करना है हमको कुछ नया पूरे जज्बे के साथ।।
हर कोई हमारी और देखता है उम्मीद के साथ।
हमें करना है सबकी मदद ईमानदारी के साथ।।
आओ हम सब प्रण करें, अपने कर्मों से परिवर्तन करें।
करके बदलाव सब में, विश्वास का रस भरें।।
कदमों से कदम मिलाकर, प्रगति पथ पर बढ़े चलें।
कुछ नया करें, कुछ सबसे हटकर, कुछ अच्छा करें।
यहाँ से बहुत कुछ सीखकर, हम चले अपनी राह की ओर।
जो भी सीखा उसमें कर देंगे एक नई भोर।।
मन में सिर्फ कर्म रहेगा, नहीं रहेगा कोई दोष।
इन सब वादों के साथ चलते हैं अब कर्मभूमि की ओर।

भूपेन्द्र शर्मा
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

"हर पल में खुश हूँ"

ज़िन्दगी है छोटी–सी
पल–पल में खुश हूँ।
गम हो चाहे आराम हो
पल हर पल में खुश हूँ
पनीर मिले, चाहे पिज्जा खाऊँ
दाल मिले, चाहे पानी गटकूँ,
गाड़ी मिले चाहे, पैदल पथ पार करूँ
बस मैं तो खुश हूँ, पल हर पल में खुश हूँ।
जीवन रूपी छोटी सी यात्रा में
कोई नाराज है कोई क्षुब्ध है।
फिर भी मैं उनके अंदाज–ए–बयां से
स्थिर हूँ, खुश हूँ।
मैं पल हर पल में खुश हूँ।
गुजरा हुआ कल बीत चुका है
कल की मीठी याद में खुश हूँ।
आन वाले कल का पता नहीं
बस उसके इंतजार में ही खुश हूँ।
मैं हर पल–पल में खुश हूँ।
हंसते– रोते बीत रहा है पल
आज में ही खुश हूँ।
छोटी–सी है ज़िन्दगी
हर पल में ही खुश हूँ।
मैं तो पल, हर पल में ही खुश हूँ।

महेन्द्र कुमार पारीक
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

मन तो मेरा भी करता है,
कविता लिखूँ, चारों दिशाओं पर।
मुस्कुराती फिजाओं पर,
महकती हवाओं पर, झूमती लताओं पर।
बल खाती नदियों पर, कल–कल बहते झरनों पर,
हिमालय के चरणों पर।
पर जब भी देखता हूँ।
आतंकी मंजर को, धमाकों के खंजर को,
लुटती–पिटती कलियों को, धुंए भरी गलियों को,
नक्सलवादी नारों को, खुले फिरते हत्यारों को,
जब भी देखता हूँ।
सिसकते हुए बचपन को, बिकते हुए यौवन को,
धक्के खाते बुढ़ापे को, भारत में फैले स्यापे को,
देखता हूँ जब भी।
फांसी लटकते किसान को, समय से पहले बुढ़ाते जवान को,
धक्के खाते बेरोजगार को, घोटाले के अंबार को,
मैं लिख नहीं पाता हूँ।
कामिनी के केशों पर, दामिनी के भेषों पर,
बल खाती चोटी पर।
मुझे दिखती है,
सिर्फ सिसकती माँ भारती, जो हरदम मुझे पुकारती।
इसलिए मैं लिखता हूँ केवल,
सैनिक की सांसों को,
माँ के डर में चुभती फांसों को,
बच्चों के बचपन को,
बूढ़ों की उम्र पचपन को।

दिनेश कुमार यादव
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

"दोस्ती एक प्यार और भरोसा"

सुख–दुख के अफसाने का, दोस्ती एक राज है सदा मुस्कुराने का,
ये पल, दो पल का बंधन नहीं, ये तो फर्ज है उम्र भर निभाने का।
दोस्ती दर्द नहीं रोने–रूलाने का, ये तो अरमान है एक खुशी के आशियाने का,
इसे काँटा ना समझना कोई, ये तो फूल है ज़िन्दगी की राहों को महकाने का।
ये तो फर्ज है उम्र भर निभाने का।
दोस्ती नाम है कुछ खोकर भी सब कुछ पाने का,
खुद रोकर भी अपने दोस्त को हंसाने का।
इसमें प्यार भी है और तकरार भी, दोस्ती तो नाम है,
उस तकरार में भी दोस्त को मनाने का।
ये तो फर्ज है उम्र भर निभाने का।

रघुवीर प्रसाद शर्मा
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

बाधाएं आती हैं आएं
घिरे प्रलय की घोर घटाएं,
पावों के नीचे अंगारे,
सिर पर बरसे यदि ज्वालाएं,
आग लगाकर जलना होगा,
कदम मिलाकर चलना होगा।

हास्य–रूदन में, तूफानों में,
अगर असंख्यक बलिदों में,
उद्यानों में, वीरानों में,
अपमानों में सम्मानों में,
पीड़ाओं में पलना होगा।
कदम मिलाकर चलना होगा।

उजियारों में, अंधकार में,
कल कहार में, बीच धार में,
क्षणिक जीत में, दीर्घ हार में,
जीवन के शत–शत आकर्षक,
अरमानों को ढ़लना होगा,
कदम मिलाकर चलना होगा।

सम्मुख फैला अगर ध्येय पथ
प्रगति चिरतन कैसी इति अब,
सुस्मित हर्षित कैसी श्रम रलथ
असफल, सफल समान मनोरथ,
सब कुछ देकर कुद न मांगते,
पावस बनकर ढ़लना होगा,
कदम मिलाकर चलना होगा।

कुछ कांटों से सज्जित जीवन,
प्रखर प्यार से वंचित यौवन,
परहित से मुखरित मधुबन,
परहित अर्पित अपना तन–मन,
जीवन को शत–शत आहुति में,
जलना हो, गलना होगा,
कदम मिलाकर चलना होगा।

ओमप्रकाश चौधरी
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

"मेरे जीवन का सच"

तकदीर बनाने वाले ने, कितने ही रंग सजाये हैं।
किसी पे बरसे नजराने तो, किसी को मिली सजायें हैं।
है खेल गजब ये किस्मत का, क्या–क्या जीवन में होता है।
कभी फकीरा हँसता है तो, कभी कबीरा रोता है।
हाथों की चंद लकीरों ने, कुछ मंजर दिखलाये हैं।

साथियों अब हम तैयार हैं
एक नई उमंग के साथ।
करना है हमको कुछ नया
पूरे जज्बे के साथ।।

हर कोई हमारी और देखता है
उम्मीद के साथ।
हमें करना है सबकी
मदद ईमानदारी के साथ।।

आओ हम सब प्रण करें
अपने कर्मों से परिवर्तन करें।
करके बदलाव सबमें
विश्वास का रस भरें।।

कदमों से कदम मिलाकर
प्रगति पथ पर बढ़े चलें।
कुछ नया करें, कुछ सबसे हटकर
कुछ अच्छा करें।।

यहाँ से बहुत कुछ सीखकर
हम चले अपनी राह की ओर।
जो भी सीखा उसमें कर देंगे
एक नई भोर।।

मन में सिर्फ कर्म रहेगा
नहीं रहेगा कोई दोष।
इन सब वादों के साथ चलते हैं
अब कर्मभूमि की ओर।

भूपेन्द्र शर्मा
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

निकले थे छूने अंबर को पर, लौट के घर को आये हैं।
जब तेज मुकद्दर होता है तब अजब तमाशा होता है।
जो कल तक फिरता सड़कों पर, वो अब महलों में सोता है।
नसीब भी आजमाता है हमको कितने गहरे पानी में हैं।
हम, पर्वत से जा टकरा बैठे, बस अपनी यहीं रवानी है।

रोशन लाल पटेल
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

''खाकी''

तीन रंग का तिरंगा हमारा,
बात एक रंग की बाकी.....
आर्मी, नेवी, एयरफोर्स को सलाम,
जिसकी बात अनोखी.....खाकी.....
बचपन से चोर पुलिस है खेले.....
कोई ना इसमें बाकी
सारी तादात चोर बनती...
हम बनते थे खाकी.....
लो पहुँचे है आज मुकाम पे,
मकसद अभी है बाकी.....
मुल्क में मेरे चैन अमन का
रंग लायेगी खाकी.....
कोई हो त्यौंहार या हो दंगा फसाद,
हाजिर रहती ये खाकी...
नींद और आलस है हराम,
परिश्रम करती ये खाकी.....
अपने लोगों की सुरक्षा खातिर,
दाँव पे जान लगाती खाकी.....
घर परिवार खुशियाँ और सुख,
भूल जाती ये खाकी.....
देख के खुश हिन्दुस्तान को,
खुश रहती ये खाकी.....
जब–जब आया संकट कहीं,
हम बनते जज़्बाती
फर्ज निभाती खाकी...
जब–जब भेड़ियों के झुण्ड ने घेरा,
बंद इशारों की बू आती.....
शेर बन के दहाड़ती,
एक ही खाकी काफी...
सर पर अपने कफन बाँध कर,
मुस्कुराती खाकी.....
कब्र में अपना पाँव रख,
झूमती रहती खाकी.....

कभी बीबी रहती नाराज
एक पिता ना बेटे के पास
और कभी दिल के टुकड़े जैसी
बेटियाँ रोती चिल्लाती.....
बुढ़े बाप की आँखें
हमारी आस लगाती
जब–जब माँ का फोन आता
एक बार घर आजा बुलाती.....
तब हम कुछ ना बोल पाते
पर खाकी बोल जाती.....
हमें कसम है
भारत माँ की.....
कुछ जयहिंद लिखी हुई गोलियाँ है
और हैं सरफरोश लाठी.....
लेकर साथ हर पल, हर वक्त,
रक्षा करें भारत माँ की.....
और आप हमारी फिक्र ना करना,
हमारे साथ रहती हर वक्त
दुआयें जनता की ओर बहनों की राखी.....
फर्ज कुछ इस तरह निभाएँगे
आप लिख लो
अगर मौत भी आये
तो सैल्यूट करेगी
जान लेने से पहले कहेगी
''आना है तो आइये साथ''
या फिर थोड़ा फर्ज निभाइये,
आप रूकिये मैं देख के आती हूँ
क्या कहीं है जुर्म बाकी।''
यकीन ना हो तो देख लेना,
जब शहीद होंगे हम.....
हमारा लहू भी होगा खाकी,
हमारा लहू भी होगा खाकी.....
हमारा लहू भी होगा खाकी.....
जुर्म को दस्तक देके कहो,
खाकी.....खाकी.....खाकी.....

अतुल साहू
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

''नारी''

नारी तुम केवल श्रृद्धा नहीं,
तू ब्रह्म–विद्या स्वरूप है।
रिद्धि–सिद्धि अन्नपूर्णा,
और शक्ति पुंज का रूप है।
सहनशीलता और त्याग का,
तू ही अकूत भण्डार है।
ममता स्नेह और समर्पण,
तेरा ही निःशब्द प्यार है।
पंचभूत को देकर आकार,
तुमने ही जग को बनाया है।
क्या होता है स्व बलिदान,
यह तुमने ही तो बतलाया है।
जननी बनकर तुमने ही,
गर्भ में मानव को पाला।
पर मनुज ने आज देखो,
तेरा अस्तित्व हिला डाला।
माँ को बनाया दुखयारी,
और दासी बनाया दारा को।
कैसा विचित्र दौर है आया,
अब मोड़ भी दे तू धारा को।
कदम बढ़ाओं अपने आगे,
और अपनी स्व पहचान करो।
समस्त सृष्टि आह्वान करे,
कि मुझ पर ये एहसान करो।
मुझ पर ये एहसान करो।
मुझ पर ये एहसान करो।।
हाँ हाँ.... मैंने अब बढ़ाये कदम,
अपनी पहचान को बनाया है।
धरती पर ही नहीं अब तो,
अंतरिक्ष तक नाम पहुंचाया है।

अब नहीं मैं अबला नारी,
दुनिया को ये दिखलाया है।
कदम से कदम मिलाकर,
मनुज को सिखलाया है।

अंजुम कायल
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

R.P.A. My Exploration

I believe words have wings
They can reach where no one could
Convey that your heart would
Pure, divine, beyond borders
Feelings and emotions soldered

I wanted to pen down so many things
Activities that RPA has bring
Riding, swimming, running and gaming
Sometimes no matter how much you write
They just don't convey how and what you feel
It's one such moment for me
Want to write, write and write

Eight months have passed though
That are witness to how well did I grow
At times rising high, at times at my low
But now when I look my life shows
There is so much that I know

From cries to laughter, pain to pleasure
There is so much that I would treasure
Things and feelings beyond measure
Life at RPA has given me way to love and leisure

I leave RPA after completing my training
Initially it was so straining and complaining
But now it's pouring and raining
So many thing which are beyond explaining
It was experience worth gaining

Dr. Priyanka
RPS (Pro.) Batch No-47

"Positive Thinking"

A life of success and achievement is a direct result of utilizing the power of positive thinking. Your thoughts are the most important asset you have in your journey to achieve your dreams. They affect you in ways never thought possible. The truth is whether you know it or not, your thoughts are responsible for whatever place or situation you are in right now.

The thoughts have power and energy. They can drive your life just as electricity drives a motor. If you choose positive thoughts you will enjoy positive energy and positive results.

Take an example of a garden. If planted with beautiful plants and carefully nurtured and tended to, the garden will yield beautiful flowers and be a place of comfort, beauty and peace. If neglected, weeds will creep in and destroy the beauty and yield thorns, destruction and harshness.

It is the same with the mind. If you plant beautiful, healthy thoughts into your mind will reap a beautiful and healthy life. If you plant negative thoughts you will reap destruction and despair in your life.

Any self improvement programme or journey of personal development starts with your thoughts. Master your thoughts first, then you can master your environment and circumstances.

Always remember "life's battles do not always go to the stronger and faster man, but sooner or later the man who wins is the man who thinks he can."

Mahendra Kumar Sharma
RPS (Pro.) Batch No-47

''एक सराहनीय कदम–नारी समाज का पुलिस प्रवेश''

भारतीय नारी शक्ति और अनुशक्ति में सदैव अग्रणी रही। उसने सदा सरस्वती बन विद्या, धन की देवी लक्ष्मी बन श्री संपदा और दुर्गा बन सदैव सुरक्षा प्रदान की।

आध्यात्म के क्षेत्र में मैत्री, गार्गी आदि ने वैदिक ऋचाओं का उद्घोष किया तो सप्त मातृका और चौसठ योगिनी बन लोक मानस का संरक्षण किया। महारानी कैकेयी ने देवासुर संग्राम में समर भूमि में युद्धरत दशरथ के रथ का पहिया ठीक कर विजय दिलाई। जौहर की ज्वालाओं में जल कर आन–मान और मर्यादा के संरक्षण में नारी ही अग्रणी रही है।

मध्यकाल, स्वतंत्रता संग्राम और आज की राजनीति में झांसी की रानी राजकुमारी, कस्तुरबा गाँधी, आयरन लेडी इंदिरा गाँधी की देन से सारा संसार अवगत है। वस्तुतः नारी जीवन में करूणा, दया, पोषण, संरक्षणात्मक भावना सदैव से रही है।

बदलते परिवेश में बालक–बालिकाओं में शिक्षा का बाहुल्य हुआ तो प्रशासन थल सेना, नौ सेना तथा वायु सेना के साथ पुलिस और न्यायपालिका तक में नारी समाज का प्रवेश होने लगा। पुलिस में कार्य करते हुए माननीया किरण बेदी ने जो साहसिक कार्य किये वे स्वर्णाक्षरों में अंकित करने योग्य हैं।

संभवतः जन्मजात रक्षात्मक भावना के कारण ही मैंने पुलिस सेवा कार्य को चुना क्योंकि एक नारी दूसरी नारी से नाना प्रकार की असहज, अशोभनीय कृत्यों को निर्भीकता पूर्वक प्रकट कर सकती है। उस तरह पुरूष के सम्मुख नहीं। मुझे स्मरण है मेरे संग शिक्षा और प्रशिक्षण लेने वाली बालिकाओं और महिलाओं से अनेकानेक विषयों पर जब संवाद चलता था तो मुझे लगता था कि नारी ही सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा बन कर विद्या, धन, सुरक्षा और विजय दिला सकने में पुरूष से अधिक सक्षम है।

प्राप्त शिक्षा व प्रशिक्षण के दौरान जिन सुप्रशिक्षकों ने मुझे पुलिस विभाग में रहते हुए समाज सेवा विशेष कर नारी समाज सेवा, नारी के सुरक्षात्मक पहलूओं को सामने रखा उससे मेरी प्रसुप्त धारणाओं को अभिनव चेतना तथा जागृति मिली। मैं चाहती हूँ ऐसी गरिमामय सेवा में आकर नारी समाज में पुलिस द्वारा नारी को सुरक्षा, संबल तथा संरक्षात्मक कवच मिल सके।

मैं एक बार पुनः उच्च पदासीन नारी पुलिसकर्मियों का हार्दिक अभिनन्दन करती हूँ उन्हीं के सराहनीय कृत्य अधीनस्थ नारी पुलिसकर्मियों के प्रेरक बनते हैं।

प्रेम धणदे
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

संध्या यादव
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

'' राजस्थान पुलिस''

हाँ राजस्थान पुलिस का कर्मठ सिपाही होकर मैं गौरवान्वित हुआ।

मन–तन धन्य हुआ, घर, परिवार और समाज बहार हुआ।

अब इस सेवा की जिम्मेदारी का मुझ पर अधिकार हुआ।

मुझे ऊऋण होना है, होना है, गरीब, दलित असहाय, आमजन का संरक्षक होना है।

राष्ट्र सेवा, जन सेवा को सिरमौर बनाना है।

हे ईश्वर, हे परमशक्ति, सर्वश्रेष्ठ, सत्यमान शक्ति

ऐसी ताकत, कर्त्तव्यनिष्ठा, दृढ़ इच्छाशक्ति देना तू मुझको,

कि मैं मेरे इंसान होने का परिचय देकर पुलिस सेवा की भूमिका को आमजन की सेवा में समर्पित कर सकूँ। हे परमपिता परमेश्वर तेरी रजा मुझ पर हो, ऐसी कि मैं मेरे इंसान होने का सर्वश्रेष्ठ, पुलिस सेवा को दे सकूँ।

मेरे मन की अभिलाषाओं, उत्कंठाओं के साथ मैं राजस्थान पुलिस सेवा 2015 में चयनित होकर समाज और राष्ट्र को अपना सर्वश्रेष्ठ देने की भावना रखते हुए असहाय, निर्बल, गरीब, आमजन के आँसू पौंछते हुए उनकी ताकत बनने का संकल्प लेता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि, हे ईश्वर मुझे मेरे कर्त्तव्य निर्वहन में सदैव संबल प्रदान करना, आशीष देना।

एक बात और पुलिस और आमजन के बीच की खाई को पाटने और ''आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय'' वाली पुलिस की छवि को स्थापित करने में मैं सदैव तत्पर रहकर कर्त्तव्यनिष्ठा से अपनी जिम्मेदारी वहन करना चाहता हूँ।

मेरी यह अभिलाषा भी है कि पुलिस की वर्तमान भूमिका को सामाजिक आवश्यकताओं के अनुसार बनाया जाना चाहिए ताकि पुलिस नये–नये उभर रहे अपराधों पर काबू पाते हुए राष्ट्र और समाज की कानून व्यवस्था को बनाए रखते हुए अमन–शांति कायम कर निर्बल, असहाय, गरीब और सर्वसमाज–राष्ट्र को नई ऊँचाईयों तक ले जाकर उसके विकास पथ में आने वाले अनेक रोड़े–बाधाओं से निपटते हुए उन्हें विकास का एक सुरक्षित रास्ता प्रदान कर सकें।

सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कहा था कि ''वर्तमान पुलिस की भूमिका विविधतामयी और अहम है, समाज को सही रास्ता, सुरक्षित रास्ता प्रदान करने में जितनी भूमिका पुलिस की है उतनी समाज के किसी अन्य राजनीतिक या प्रशासनिक संगठन की नजर नहीं आती।''

ऋषिकेश मीना
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

''सिपाही और जवान''

हे सीमा पर प्रहरी वीर जवान
तुम्हें सभी मानते तिरंगे की शान,
हमारी स्वतंत्रता, हमारी आन,
का तुम हर करते संधान।
तुम लेते बाहरी दुश्मनों से लोहा,
करके न्यौछावर अपने प्राण,
तुम्हें पूजता राष्ट्र है पूरा,
क्योंकि तुम हो देश की शान।
वर्दीधारी मैं भी हूँ,
करता तिरंगे का उतना ही मान,
देश के लिए तत्पर रहता,
देने को अपने प्राण।
वतन की खातिर मैं भी,
करता उतने ही बलिदान,
मैं हूँ लड़ता देश के भीतर पनपे जहर से,
दे कर कर अपने प्राण।
तुम करते हो सीमा की रक्षा,
मैं करता सभी के परिवारों की सुरक्षा,
तुम लेते प्रत्यक्ष दुश्मन से लोहा,
मैं प्रतिदिन लड़ता देश के गद्दारों से।
हे सीमा के प्रहरी, तुम्हें नहीं पता,
कि दुश्मन घर के अन्दर भी फैला है,
छद्म रूप में घुस बैठा है,
भीतर –भीतर डस रहा है,
पीठ में छुरा घोंप रहा है।
मैं करके सारे त्याग,
परिवार और त्योहार,
डटा है जयचंदो से लड़ने के लिए,
मातृभमि की रक्षा के लिये।

मैं वीर सपूत हूँ भारत मां का,
मैं भी खेलता अपनी जान से,
पर क्यों नहीं समाज समझता,
मेरे बलिदान को ?
हे सहोदर, हे सहधर्मी, मेरे अभिमान,
मेरी वेदना तू ही समझ सकता है,
भारत मां से कहना कि तेरा,
वीर सिपाही पुत्र उसके लिए,
अपना सर्वस्व बलिदान करता है।
हे सीमा के वीर जवान,
क्या मैं शहीद न कहलाऊँगा ?
अपना सब कुछ देश को अर्पण,
करके भी गौरव न पाऊँगा,
क्या अपनी जान गंवा कर भी,
शहीद कभी न कहलाऊँगा,
हे सीमा के प्रहरी, वीर जवान,
मैं भी तेरे जैसा हूँ, राष्ट्र धर्म भी है समान,
है तिरंगा मेरी आन।
हे सीमा के प्रहरी, वीर जवान,

डॉ. सीमा चौहान
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

गुलाब सी बेटियाँ''

वीरान गुलशन में महकती गुलाब सी होती हैं बेटियाँ
जिन्दगी की उलझनों का जवाब सी होती हैं बेटियाँ
माँ के आँचल से लिपटकर देखती जो मीठे ख्वाब
बाप की सूनी आँखों में आब सी होती हैं बेटियाँ.....
लांघकर प्राचीरें जाती हैं पार आसमान के
आफतों की रातों में महताब सी होती हैं बेटियाँ.....?
इनके होने से महकता प्यार की खूशबू से मन
मौजों के दरिया का इक सैलाब सी होती हैं बेटियाँ.....
शरमाता जिनके आगे हर आँगन का सूनापन
जिन्दगी में खुशियों का इक राज सी होती हें बेटियाँ.....
अब भी नहीं समझी 'मनु' इन नफरतों की भाषा को
काश सभी पढ़ पाते कि किताब सी होती हैं बेटियाँ.....

''प्रशिक्षण के पूर्वार्द्ध में.....प्रशिक्षण के उत्तरार्द्ध में''

प्रशिक्षण के पूवार्द्ध में....

तालीम–ए–आगाज में यूं अजनबीयत का खौफ था
हर पहर हर–सूँ यही बेगानेपन का दौर था।
बैठना खामोशियों से यूं परिन्दों की तरहा
मुस्कुराते चेहरों पर मासूमियत का जौहर था।
वो पहले–पहल मिलना आईनों की तरहा
बस हमारी आपकी मुलाकातों का शोर था।
अलसुबह यूं कसरतों का फिक्र था और जिक्र था
नफरियों पर व कदम से कदम मिलाने पर जोर था।
वो इण्डोर क्लास की कुर्सियों पे झपकियाँ
ब्रेक में चाय की चुस्कियाँ,
क्लास की अंतिम घंटी पर शिद्दतों से गौर था।
हर शाम दौड़ चाल, वाकिंग चाल में खोयी थी
और सहर एक–दो–एक में सोयी थी।
काफिलों के बीच भी बस और सन्नाटे का माहौल था..

''प्रशिक्षण के उत्तरार्द्ध में''.....

अब लगता है बा–खुदा हम आज तक अजनबी क्यों थे
पास रहकर दूर थे इतने बदनसीब क्यों थे।
एक प्रांगण में सवेरा, शाम की बेला
एक थाली में कलेवा, मजहबी क्यों थे....
हर शक्ल ढूंढ़ते थे हम कोई अपना
फासले फिर भी यहाँ इतने अजीब क्यों थे.....
चंद दिनों में इस सफर का कारवाँ रूक गया
सब यहाँ नायाब थे पर दिलनशीं क्यों थे.....
जी ले इन पलों को 'मनु' ये वजह ना आयेगी दुबारा
याद आयेगी ये रूत, ये दिन हसीं क्यों थे।

''प्यारा इण्डोर''

सुबह–सुबह पी.टी. से पहले
पांच कि.मी. की लगती दौड़
थके हारे कैडेट का सहारा
एकमात्र अपना इण्डोर ।
आई.पी.सी., सी.आर.पी.सी. पर भारी
फैकल्टी के लेक्चर अमाप
अनथक प्रयास हम करें
पर पलकें बंद हो अपने आप।
बीमारों का एकमात्र सहारा
कुंभकरणों का पालनहारा
मकरागिरी करने का
और ना जब कोई मिलता ठौर
रह–रहकर तब याद आवे
अपना प्यारा इण्डोर
सबसे प्यारा इण्डोर।।

मनस्वी चौधरी
आरपीएस (प्रो0) बैच संख्या–47

राजस्थान पुलिस अकादमी उत्तरी जोन में सर्वश्रेष्ठ पुलिस अकादमी घोषित

केन्द्रीय गृह मन्त्रालय की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अकादमी की प्रतिस्पर्द्धा में राजस्थान पुलिस अकादमी को उत्तरी भारत की सर्वश्रेष्ठ अकादमी घोषित किया गया है। इस चयन प्रकिया में राजस्थान पुलिस अकादमी ने उत्तर जोन के विभिन्न राज्यों यथा जम्मू एवं कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश व दिल्ली की पुलिस अकादमियों से कडी प्रतिस्पर्द्धा की।

अन्तिम रुप से राजस्थान पुलिस अकादमी को उत्तरी जोन की सर्वश्रेष्ठ अकादमी घोषित किया गया है। यह चयन अकादमी के निर्धारित मानकों, आधारभूत प्रशिक्षण, रख रखाव तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता के आधार पर किया गया है। इस चयन पर केन्द्रीय गृह मन्त्रालय की ओर से दो लाख रुपये की इनामी राशि आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए प्रदान की जाएगी।

दिनांक 24.11.2016 को महानिदेशक, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, गृह मन्त्रालय भारत सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति में इस आशय की पुष्टि की गई है तथा राजस्थान पुलिस अकादमी को उत्तरी भारत की सर्वश्रेष्ठ अकादमी के चयन की उपलब्धि पर अकादमी के निदेशक श्री राजीव दासोत को बधाई दी है।

अकादमी के निदेशक श्री राजीव दासोत ने उत्तरी जोन की सर्वश्रेष्ठ अकादमी में राजस्थान पुलिस अकादमी के अन्तिम रुप से चयन पर अकादमी के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है तथा अकादमी को राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अकादमी बनाने के सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने का आह्वान किया है।

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

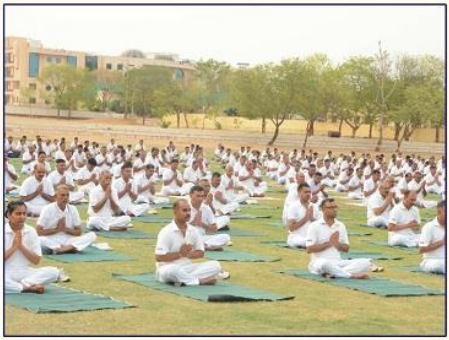

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

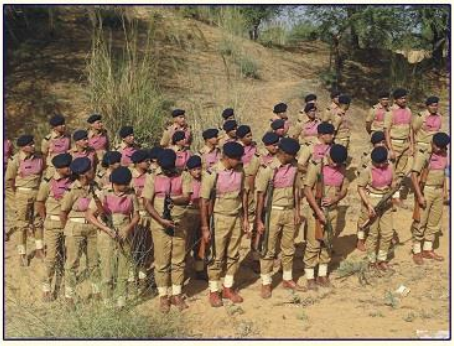

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

देवेन्द्र सिंह राजावत
पुत्र श्री नरेन्द्र सिंह राजावत
आलराउण्ड बेस्ट
इण्डोर बेस्ट

सौरभ तिवाड़ी
पुत्र श्री रामेश्वर दयाल
आउटडोर बेस्ट
फायरिंग बेस्ट

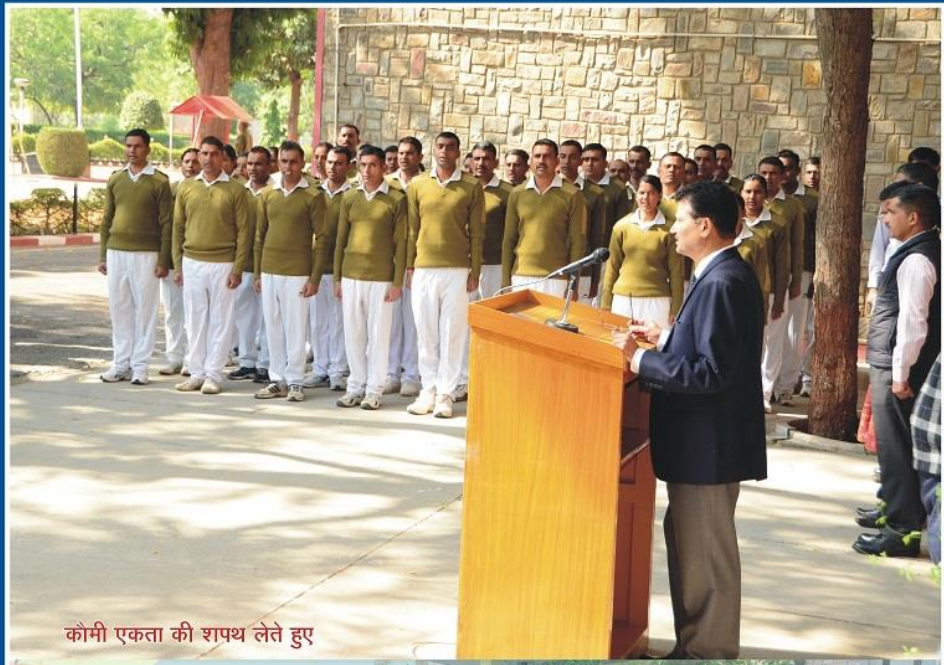

कौमी एकता की शपथ लेते हुए

तीज महोत्सव में महिला आर. पी. एस. (प्रोबे.) अधिकारी

आर. पी. एस. बैच संख्या 47

राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर